**आदेश VI नियम 17 सपठित धारा 151 सिविल प्रक्रिया संहिता के अधीन आवेदनपत्र**

न्यायालय ............

इनरी ............. हि. वि. अधि. वाद सं. ............

के मामले में: ............

अबक (वर्णन एवम् पता को जोड़े) ............याची सं. 1

बनाम

कखग (वर्णन एवम् पता को जोड़े) ............याची सं. 2

**आदेश VI नियम 17 सपठित धारा 151 सि. प्र. स. के अधीन आवेदनपत्र -**

**अतिसादर पूर्वक प्रदर्शित करता है -**

1. यह कि ऊपर नोट किया गया मामला इस माननीय न्यायालय के समक्ष लम्बित है और अब उसको ...................... के लिए नियत किया जाता है।
2. यह कि कार्यवाही के अनुक्रम के दौरान याची तथा प्रत्यर्थी पारस्परिक सहमति द्वारा विवाह-विच्छेद की डिक्री के रूप में उनके विवाह के विघटन के लिए करार कर चुके हैं।
3. यह कि कथित परिस्थितियों के अधीन न्यायहित में दोनों पक्षकारों की पारस्परिक सहमति के लिए विवाह-विच्छेद हेतु एक याचिका में प्रस्तुत याचिका को संशोधित करना तथा सम्परिवर्तित करना आवश्यक हो गया है।
4. यह कि कथित संशोधन प्रस्तुत याचिका में ईप्सित अनुतोष की प्रकृति को नहीं परिवर्तित करेगा।
5. यह कि ऊपर वर्णित निवेदनों को ध्यान में रखते हुए, ऊपर नामित किये गये पक्षकार हिन्दूविवाह अधिनियम की धारा 13- ख (1) के अधीन एक याचिका में हिन्दू विवाह अधिनियम की धारा 13(1) (क) इत्यादि के अधीन याची द्वारा दाखिल की गयी याचिका को संशोधित करने तथा सम्परिवर्तित करने की कृपा करें।
6. यह कि संशोधित की गयी याचिका पक्षकारों द्वारा संशोधित की गयी है और इस आवेदनपत्र के साथ दी जा रही है।

अतएव, यह अति सादर पूर्वक प्रार्थना की जाती है कि यह माननीय न्यायालय ऊपर किये गये पक्षकारों की सहमति से आज की तारीख तक संशोधित किये गये होने में हिन्दू विवाह अधिनियम की धारा 13- ख (1) के अधीन पारस्परिक विवाह-विच्छेद के लिए याचिका में विवाह विच्छेद के लिए प्रस्तुत याचिका को सम्परिवर्तित करने के रूप में संशोधन को अनुज्ञा प्रदान करने की कृपा करें।

याची

जरिये अधिवक्ता

तारीख:

स्थान:

**आवेदनपत्र के समर्थन में शपथपत्र**

न्यायालय ............

इनरी ............. हि. वि. अधि. वाद सं. ............

के मामले में: ............

अबक (वर्णन एवम् पता को जोड़े) ............याची सं. 1

बनाम

कखग (वर्णन एवम् पता को जोड़े) ............याची सं. 2

**शपथपत्र**

मैं.......... पत्नी.........निवासी नयी दिल्ली, निम्नलिखित रूप में एतद् द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम् घोषणा करता हूँ

1. यह कि मैं ऊपर कथित मामले में याची तथा मामले के तथ्यों एवम् परिस्थितियों से पूर्णतया परिचित हूँ।
2. यह कि आदेश **VI** नियम 17 सपठित धारा 151 सि. प्र. सं. के अधीन साथ दिये जा रहे आवेदनपत्र की अन्तर्वस्तुएं मेरे अनुदेश के अधीन मेरे अधिवक्ता द्वारा प्ररूप तैयार किया गया है, जिसकी अन्तर्वस्तुएं इस शपथपत्र के भाग एवम् पार्सल के रूप में पढ़ा जा सकेगा और संक्षिप्त होने के लिए इसमें नहीं पुनः पेश किया जा रहा है।

शपथकर्ता

**सत्यापन**

...................में इस तारीख म इस तारीख ..................... को सत्यापित किया गया कि ऊपर मेरे ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तुएं मेरी जानकारी में सत्य एवम् सही है।

शपथकर्ता